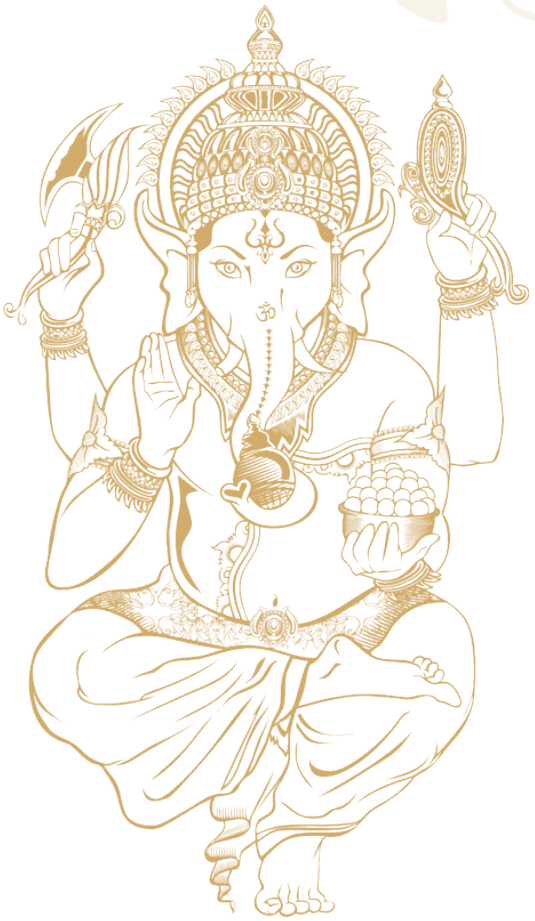

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121146902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/11/1997	जन्म तिथि	01/01/2002
शुक्र-शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	08:42:00 घंटे
घटी 54:13:14	जन्म समय(घटी)	03:39:32 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:42	सूर्योदय	07:14:11
17:24:59	सूर्यास्त	17:35:14
23:49:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:49

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 1मा 28दि	05:14:14	तुला	लग्न	मक	08:25:28	शनि 10वर्ष 8मा 5दि
सूर्य	05:50:45	वृश्चि	सूर्य	धनु	16:38:21	बुध
20/01/2022	05:24:23	सिंह	चंद्र	कर्क	09:10:17	06/09/2012
20/01/2028	15:49:00	धनु	मंगल	कुंभ	23:05:55	06/09/2029
सूर्य 09/05/2022	26:14:07	वृश्चि	बुध	मक	01:54:39	बुध 03/02/2015
चन्द्र 08/11/2022	21:25:03	मक	गुरु व	मिथु	16:46:06	केतु 31/01/2016
मंगल 16/03/2023	21:50:12	धनु	शुक्र	धनु	13:26:55	शुक्र 01/12/2018
राहु 08/02/2024	20:14:33	मीन व	शनि व	वृष	15:26:06	सूर्य 07/10/2019
गुरु 26/11/2024	22:56:03	सिंह	राहु व	मिथु	03:17:04	चन्द्र 08/03/2021
शनि 08/11/2025	22:56:03	कुंभ	केतु व	धनु	03:17:04	मंगल 05/03/2022
बुध 14/09/2026	11:31:56	मक	हर्ष	मक	28:35:03	राहु 21/09/2024
केतु 20/01/2027	03:52:55	मक	नेप	मक	13:34:07	गुरु 28/12/2026
शुक्र 20/01/2028	11:25:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:09:41	शनि 06/09/2029

लग्न-चलित

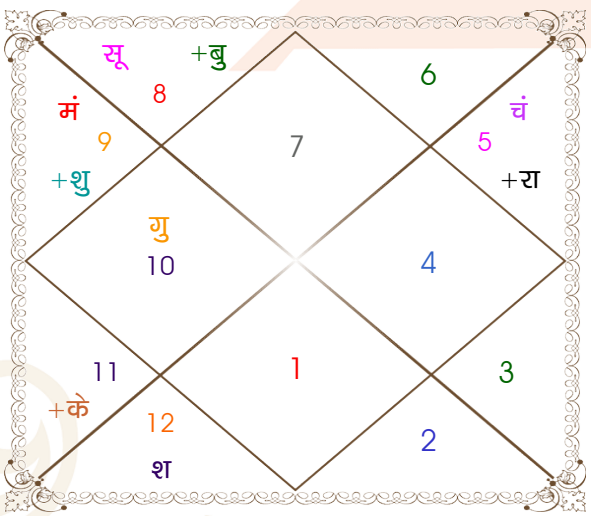

लग्न-चलित

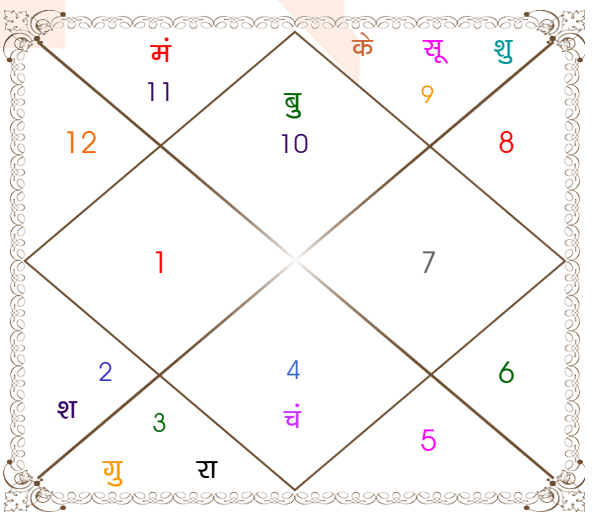

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

स का वर्ग मूषक है तथा स का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स और स का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

स मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

स मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

स तथा स में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।